राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण
नई दिल्ली। शनिवार • 6 नवम्बर • 2021 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

स्कूल तो खुले, लेकिन खड़ी हुई वाहनों की समस्या

नई दिल्ली (एसएनबी)। राजधानी के स्कूलों को पूरी तरह से खोलने को लेकर स्कूलों के समक्ष वाहनों की समस्या उठ खड़ी हुई है। यह समस्या स्कूल वाहनों का फिटनेस का न होना है। यही कारण है कि स्कूलों के प्रशासन ने तय किया है कि स्कूलों में छात्रों को आने को लेकर पहले वह अभिभावकों की रजामंदी लेंगे।

इसके बाद ही स्कूल ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड चलाए जाएंगे। पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल की प्राचार्य रूमा पाठक ने बताया कि अभी हमने केवल 9वीं से 12वीं कक्षा तक के छात्रों के लिए स्कूल खोला है। एक नवम्बर से अन्य कक्षाओं के लिए खोले जाने वाले स्कूल अभी नहीं खोले हैं।

उन्होंने कहा कि अभी हम नर्सरी से आठवीं कक्षा तक की कक्षाओं के अभिभावकों से बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर रजामंदी ले रहे हैं। अभी केवल 70 फीसद अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर रजामंदी की रिपोर्ट दी है। इनमें से 60 फीसद अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजने को रजामंदी दी है। इसके अलावा 10 फीसद अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल न भेजने की बात कही है।

पाठक ने कहा है कि जो छात्र स्कूल नहीं आएंगे, उनके लिए ऑनलाइन कक्षाएं जारी रहेंगी। विकासपुरी स्थित ममता मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य पल्लवी शर्मा ने बताया कि अभी हम स्कूल खोलने को लेकर बच्चों के अभिभावकों से रजामंदी ले रहें हैं। अभी 9वीं से 12वीं तक की जो कक्षाएं चल रही हैं, उसमें भी काफी कम बच्चे आ रहें हैं। इसकी एक अहम वजह स्कूल बसों की समस्या है, क्योंकि इन बसों की फिटनेस नहीं हुई है। नर्सरी से आठवीं तक की कक्षाओं को अभी नहीं खोला है। उन्होंने कहा कि 8 और 9 नवम्बर को अभिभावकों को बुला रहें, जो आकर देखेंगे कि स्कूल में उनके बच्चों को लेकर कितनी सुरक्षा है।

अधिकतर स्कूल वाहनों के पास नहीं है फिटनेस सर्टिफिकेट

वाहन न होने के कारण बच्चों का स्कूल पहुंचना हुआ कठिन

शर्मा ने बताया कि 40 फीसद छात्रों ने स्कूल भेजने को लेकर रजामंदी दी है। अभिभावकों को अपने वाहनों से बच्चों को भेजना होगा। इस प्रकार केवल आसपास के छात्र ही स्कूल आएंगे। ऐसे में 10 नवम्बर के बाद ही स्कूल खुल पाएंगे। पंजाबी बाग स्थित एनसी जिंदल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डीके पांडेय ने बताया कि हमारे यहां अभी छठी से आठवीं तक की कक्षाएं ही खुली हैं, लेकिन वाहनों की समस्या के कारण बहुत कम छात्र स्कूल आ रहें हैं। पांडेय ने बताया कि नर्सरी से पांचवीं तक की कक्षाएं दिवाली के बाद खोली जाएंगी।